<u>लोक सभा</u>

अतारांकित प्रश्न संख्या 3708

19 मार्च, 2018 को उत्तर के लिए

सेल का कार्यनिष्पादन

3708. श्रीमती के. मरगथमः

क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या एसएआईएल के वैश्विक वस्तु बाजार में लगातार सुधार के आधार पर अगले वर्ष से लाभ में रहने की आशा है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या वर्ष 2016-17 के दौरान सेल की हानि में तेजी से गिरावट आई है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ग) क्या यह हानि इस क्षेत्र में मंदी के कारण थी और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

<u>उत्तर</u>

इस्पात राज्य मंत्री (श्री विष्णु देव साय)

(क): वैश्विक वस्तु बाजार में सुधार का सेल के कार्य-निष्पादन पर अगले वर्ष से सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। तथापि, यह अंतर्राष्ट्रीय/घरेलू इस्पात कीमतों में उतार-चढ़ाव, कोकिंग कोल की कीमतें, माँग और आपूर्ति परिदृश्य इत्यादि जैसे कई कारकों पर भी निर्भर करेगा।

(ख): वित्तीय वर्ष 2016-17 में 4851 करोड़ रुपये और 2833 करोड़ रुपये की कर-पूर्व और कर-पश्चात् हानि में गत वर्ष की समान अवधि की तुलना में क्रमशः 31% और 30% तक तेजी से गिरावट आयी है, जो निन्नवत् है:

(करोड़ रुपए में)

विवरण	2015-16	2016-17
कर-पूर्व लाभ(+)/हानि(-)	-7008	-4851
कर-पश्चात् लाभ(+)/हानि(-)	-4021	-2883

(ग): वित्तीय वर्ष 2014-15 और 2015-16 के दौरान मुख्य रूप से भारत में आयात की अधिकता के कारण हानि हुई जिससे घरेलू इस्पात उद्योग, आपूर्ति की अधिकता और चीन, कोरिया, जापान और सीआईएस देशों जैसे इस्पात की अधिक उपलब्धता वाले देशों द्वारा प्रीडेटरी मूल्य निर्धारण के रूप में कठिन चुनौती का सामना कर रहा है। इसके अतिरिक्त, सेल को वित्तीय वर्ष 2015-16 से निम्न कारणों से हानियाँ हुई हैं:

- इस्पात उत्पादों की शुद्ध बिक्री से प्राप्ति में कमी।
- मुख्य रूप से वर्ष 2016-17 से आयातित कोयले की कीमतों में बढ़ोत्तरी।
- डिस्ट्रीक्ट मिनरल फाउंडेशन (डीएमएफ) और नेशनल मिनरल इक्सप्लोरेशन ट्रस्ट (एनएमईटी) को प्रदान किए जाने वाले अंशदान की लेवी का प्रतिकूल प्रभाव।
- देशी कोयले की कम उपलब्धता के कारण ब्लेंड में आयातित कोयले का अधिकतम उपयोग।
- वेतन और मजदूरी में वृद्धि।
- अत्यधिक ब्याज दर और जमा करने पर अर्जित ब्याज में कमी।
- नई सुविधाओं के पूँजीकरण के कारण अधिकतम अवमूल्यन।

******